CAREERINDIA

SET – 2

Series : HRK/C

कोड नं.
Code No. **3/2**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा - II

SUMMATIVE ASSESSMENT - II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 90*

www.careerindia.com

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं – **क, ख, ग** और **घ** ।*

(ii) *चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

CAREERINDIA

खंड 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

कार्तिक की हँसमुख सुबह ।
नदी-तट से लौटती गंगा नहा कर
सुवासित भीगी हवाएँ
सदा पावन माँ सरीखी
अभी जैसे मंदिरों में चढ़ा कर खुशरंग फूल
ठंड से सीत्कारती घर में घुसी हों,
और सोते देखकर मुझको जगाती हों –
सिरहाने रख एक अंजलि फूल हरसिंगार के,
नर्म ठंडी उँगलियों से गाल छूकर प्यार से,
बाल बिखरे हुए तनिक सँवार के ..... ।

(i) कार्तिक की सुबह की हवाओं की तुलना किससे की गई है ?
(क) गंगा से
(ख) माँ से
(ग) फूलों से
(घ) पावनता से

(ii) 'हँसमुख सुबह' का भाव है
(क) खुश करने वाली
(ख) ठंडी-ठंडी
(ग) हँसाने वाली
(घ) खिल-खिलाती

(iii) 'सिरहाने रख एक अंजलि फूल हरसिंगार के' पंक्ति से व्यंजित होता है माँ का
(क) पुत्र के पास गंध फैलाना ।
(ख) पुत्र को असीम आशीर्वाद देना ।
(ग) पुत्र को नींद से जगाना ।
(घ) पुत्र के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करना ।

(iv) कविता में व्यक्त किया गया है
(क) गंगा स्नान का महत्त्व
(ख) हरसिंगार के फूलों का महत्त्व
(ग) संतान के प्रति माँ की प्रीति
(घ) प्रसन्नता से पूर्ण वातावरण

(v) कविता में किनके स्वभाव का चित्रण है ?
(क) माँ और कार्तिक की हवा का
(ख) सुगंधित हवा और माँ का
(ग) कवि और माँ का
(घ) हरसिंगार और उसकी गंध का

www.careerindia.com

CAREERINDIA

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो,
चट्टानों की छाती से दूध निकालो ।
है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो ।
चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे !
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे !

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए ।
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है ।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे !
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे !

(i) 'बाँहों की विभा' का आशय है
- (क) शांति और त्यागमय जीवन ।
- (ख) शक्ति और पराक्रमयुक्त जीवन ।
- (ग) शांत और सहिष्णुता से भरा जीवन ।
- (घ) पूजा-कीर्तन अपना धार्मिक कर्तव्य पालन ।

(ii) 'छोड़ो मत अपनी आन' – कथन से क्या अभिप्राय है ?
- (क) अपनी जिद पर अड़े रहो, सम्मान की चिंता मत करो ।
- (ख) किसी के सम्मान की चिंता मत करो ।
- (ग) अपने मान-सम्मान पर आँच मत आने दो ।
- (घ) स्वयं सम्मानजनक व्यवहार करो ।

(iii) 'है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो' से कवि क्या कहना चाहता है ?
- (क) जीवन को कुंठित मत होने दो ।
- (ख) जीवन में उत्साह भरना जरूरी है ।
- (ग) प्रगति मार्ग में आने वाली बाधाओं को खंडित कर दो ।
- (घ) बाधाओं से मत घबराओ ।

(iv) 'कठिन विपत्ति आने पर भी अन्याय के सामने घुटने मत टेको' यह भाव किस पंक्ति में है ?
- (क) छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए ।
- (ख) मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए ।
- (ग) है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो ।
- (घ) जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे ।

(v) किस कथन में कोई मुहावरा नहीं है ?
- (क) चट्टानों की छाती से दूध निकालो ।
- (ख) मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए ।
- (ग) विजयी के सदृश जियो रे !
- (घ) है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो ।

www.careerindia.com

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

क्या कोई ऐसा भी मुकदमा या खेल हो सकता है, जिसमें किसी की जीत न होती हो ? इस बात पर हम सिर्फ हँस सकते हैं । लेकिन ज़िंदगी में एक ऐसा भी खेल है, जिसमें किसी की भी जीत या हार नहीं होती है । वह खेल है 'बदला' लेने का खेल । इसमें किसी की जीत और हार नहीं होती । यह एक सामान्य व्यवहार है, हमें दूसरों के साथ ऐसा व्यवहार करना चाहिए, जैसा हम दूसरों से अपने लिए चाहते हैं । यानी हम स्वर्णिम नियम के साथ जीना चाहते हैं, परंतु जब सामने वाला आदमी निष्पक्ष खेल की संहिता का उल्लंघन करता है, तो हम नाराज हो जाते हैं । हम बदला लेना चाहते हैं । लेकिन इस 'बदला लेने वाले' खेल में क्या किसी की जीत होगी ? जब हम बदला लेने के बारे में सोचते हैं, तब इस बात पर गौर करना भूल जाते हैं ।

प्रतिशोध की यह भावना हमारे अंतर्मन में कहीं-न-कहीं छिपी चिनगारी की तरह दबी रहती है, जैसे ही उसे अवसर मिलता है, वह झट बाहर निकलकर बदले की आग में बदल जाती है । आम जिंदगी में चाहे अधिकारी की कुरसी पर बैठे लोग हों, पति-पत्नी में तलाक के बाद हिसाब चुकता करने की मानसिकता हो, या अबोध बच्चे द्वारा अपने भाई से बदला लेने की बात हो, सब जगह यह आग दिखती है । सड़क दुर्घटनाओं में भी यह मानसिकता काम करती है । किसी ड्राइवर को दूसरी गाड़ी वाला कट मारता है और उसे गाड़ी सड़क से नीचे उतारनी पड़ती है । अब वह ड्राइवर कट मारने वाले को सबक सिखाना चाहता है । नतीजा दुर्घटना के रूप में सामने आता है । यह खेल घाटे वाला है । वक्त की बर्बादी, धन की बर्बादी और चित्त की बर्बादी – इन सबका इलाज एक ही है, जिसके लिए *महाभारत* में वेदव्यास कहते हैं, क्षमा और दया जीवन के ऐसे गहने हैं, जिनको पहनने वाला सबका प्यारा बन जाता है । इनको पहनने से पूरा जीवन ही सुंदर हो जाएगा ।

(i) लेखक के विचार से किस खेल में जीत-हार नहीं होती ?
   - (क) ऋण का लेन-देन
   - (ख) बदला लेना ।
   - (ग) नियमों के अनुसार खेलना ।
   - (घ) मित्रता का व्यवहार रखना ।

(ii) सामान्य व्यवहार का स्वर्णिम नियम है
   - (क) उतना ही दान करो जितना आवश्यक है ।
   - (ख) वैसा ही व्यवहार करो जैसा अपने प्रति चाहते हो ।
   - (ग) कर्म करो फल की अभिलाषा मत करो ।
   - (घ) बदला लेने की बात मत सोचो ।

(iii) प्रतिशोध की तुलना की गई है
   - (क) छिपी चिनगारी से
   - (ख) अन्तर्मन से
   - (ग) प्राप्त अवसर से
   - (घ) बदले की आग से

(iv) लेखक के विचार से तलाक के बाद की मानसिकता होती है
   - (क) चलो छुटकारा मिला ।
   - (ख) हिसाब चुकता हुआ ।
   - (ग) ऊधो का लेना न माधो का देना ।
   - (घ) घर फूँककर तमाशा देखा ।

(v) जीवन के गहने क्या हैं ?
   - (क) तप और त्याग
   - (ख) क्षमा और दया
   - (ग) मनोबल और सहारा
   - (घ) त्याग और उत्साह

CAREERINDIA www.careerindia.com

CAREERINDIA

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

साहित्यकार एक सामाजिक प्राणी है । वह अपने आस-पास की परिस्थितियों और घटनाओं से प्रभावित होने के साथ-साथ उन्हें प्रभावित भी करता है । वह समाज की भावनाओं को अभिव्यक्ति तो प्रदान करता ही है, साथ ही उसके द्वारा अभिव्यक्त भावनाएँ समाज को भी प्रभावित करती हैं । अत: साहित्य और समाज का घनिष्ठ संबंध है । वह समाज के मुख और मस्तिष्क दोनों का कार्य करता है । प्रसिद्ध पाश्चात्य विचारक और कवि मैथ्यू आर्नल्ड ने साहित्य को जीवन और समाज का दर्पण कहा है । साहित्य को समाज का दर्पण इसलिए कहा गया है कि उसके माध्यम से हम युग-विशेष की समस्याओं, परिस्थितियों तथा भावनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं । साहित्य जीवन की अभिव्यक्ति है । साहित्य में हम जातीय भावों का प्रतिबिम्ब देख सकते हैं । प्रत्येक जाति के साहित्य का एक व्यक्तित्व होता है । इतना ही नहीं एक जाति के साहित्य में उसके विकास के अनुकूल समय-समय पर अंतर पड़ता रहता है । हिंदी साहित्य का इतिहास इसी तथ्य की पुष्टि करता है । जिस प्रकार साहित्य पर सामाजिक भावों तथा विचारों का प्रभाव पड़ता है उसी प्रकार साहित्य का प्रभाव भी समाज पर देखा जा सकता है । साहित्यकार सामाजिक बुराइयों तथा रूढ़ियों आदि पर तीखा प्रहार करके समाज को नई दिशा प्रदान करता है । संत कवियों की वाणी ने जिस प्रकार तत्कालीन समाज में फैली रूढ़ियों और आडंबरों को दूर करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया उससे यह बात सिद्ध हो जाती है ।

(i) साहित्यकार को सामाजिक प्राणी क्यों कहा गया है ?

(क) वह समाज से आजीविका चलाता है । (ख) वह समाज को बदल देता है ।

(ग) समाज को सही मार्ग पर ले जाता है । (घ) समाज उसे प्रभावित करता है ।

(ii) साहित्य को समाज का दर्पण कहा है क्योंकि वह

(क) समय विशेष के विचारों-भावों को प्रस्तुत करता है ।

(ख) प्रकृति का चित्रण प्रस्तुत करता है ।

(ग) समाज को प्रकाशित करता है ।

(घ) ज्ञान-विज्ञान का भंडार होता है ।

(iii) साहित्यकार समाज को स्वस्थ कैसे बनाता है ?

(क) सामाजिक बुराइयों पर प्रहार करके । (ख) बौद्धिक खुराक देकर ।

(ग) समाज का हितैषी बनकर । (घ) समाज को ज्ञान प्रदान कर ।

(iv) साहित्य से हमें क्या नहीं मिलता ?

(क) विचार और भाव (ख) जीने की कला

(ग) समाज को नई दिशा (घ) भौतिक साधन

(v) संत कवियों की वाणी में व्यक्त हुआ है

(क) समाज के प्रति आक्रोश (ख) समाज को नई दिशा देने का स्वप्न

(ग) रूढ़ियों आडंबरों का विरोध (घ) परंपरागत सोच का समर्थन

www.careerindia.com

CAREERINDIA

खंड 'ख'

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : **1 × 3 = 3**

(क) आज जो लड़का आया था वह बहुत होशियार है । (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) उल्लास के पास दिनकरजी की लिखी पुस्तक 'उर्वशी' है । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) वह कपटी है और जल्दी ही पकड़ा जाएगा । (सरल वाक्य बनाइए)

6. निर्देशानुसार कीजिए : **1 × 4 = 4**

(क) वह पहाड़ पर नहीं चढ़ सकता । (भाववाच्य में बदलिए)

(ख) वह माता-पिता की सेवा कर रहा है । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) अब लकड़ियाँ काटी जाएँ । (वाच्य प्रकार बताइए)

(घ) उससे कपड़े नहीं सुखाए जाते । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

7. रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : **1 × 4 = 4**

<u>सीता का</u> राम को भेजा हुआ <u>यह</u> <u>संदेश</u> मीठा नहीं, <u>कटु</u> है ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 4 = 4**

(क) 'क्रोध' किस रस का स्थायी भाव है ?

(ख) करुण रस का स्थायी भाव क्या है ?

(ग) हास्य रस का एक उदाहरण लिखिए ।

(घ) निम्नलिखित काव्यांश में किस रस की निष्पत्ति हुई है ?

सिर पर बैठ्यो काग आँख दोउ खात निकारत ।
नोचत जीभहि स्यार अतिहि आनंद उर धारत ।।

खंड 'ग'

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : **2 + 2 + 1 = 5**

इसी बालसुलभ हँसी में कई यादें बंद हैं । वे जब उनका ज़िक्र करते हैं तब फिर उसी नैसर्गिक आनंद में आँखें चमक उठती हैं । अमीरुद्दीन तब सिर्फ़ चार साल का रहा होगा । छुपकर नाना को शहनाई बजाते हुए सुनता था, रियाज़ के बाद जब अपनी जगह से उठकर चले जाएँ तब जाकर ढेरों छोटी-बड़ी शहनाइयों की भीड़ से अपने नाना वाली शहनाई ढूँढ़ता और एक-एक शहनाई को फेंक कर खारिज़ करता जाता, सोचता – 'लगता है मीठी वाली शहनाई दादा कहीं और रखते हैं ।' जब मामू अलीबख्श खाँ (जो उस्ताद भी थे) शहनाई बजाते हुए सम पर आएँ, तब धड़ से एक पत्थर ज़मीन पर मारता था । सम पर आने की तमीज़ उन्हें बचपन में ही आ गई थी, मगर बच्चे को यह नहीं मालूम था कि दाद वाह करके दी जाती है, सिर हिलाकर दी जाती है, पत्थर पटक कर नहीं । और बचपन के समय फ़िल्मों के बुखार के बारे में तो पूछना ही क्या ? उस समय थर्ड क्लास के लिए छह पैसे का टिकट मिलता था । अमीरुद्दीन दो पैसे मामू से, दो पैसे मौसी से और दो पैसे नानी से लेता था फिर घंटों लाइन में लगकर टिकट हासिल करता था ।

(क) अमीरुद्दीन कौन था ? उसके किस व्यवहार से पता चलता है कि वह फिल्म देखने का शौकीन था ?

(ख) दाद देना क्या है ? अमीरुद्दीन का दाद देने का क्या तरीका था ?

(ग) रियाज किसे कहते हैं ?

www.careerindia.com

CAREERINDIA

10. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **25-30** शब्दों में लिखिए : **2 × 5 = 10**

(क) द्विवेदी जी ने स्त्री शिक्षा के समर्थन में क्या तर्क दिए हैं ? दो का उल्लेख कीजिए ।

(ख) पठित पाठ से दो उदाहरण ऐसे दीजिए, जिनसे पता चले कि बिस्मिल्ला खाँ मुहर्रम से गहरा जुड़ाव रखते थे ।

(ग) भदन्त आनन्द कौसल्यायन ने संस्कृत व्यक्ति किसे कहा है ?

(घ) संगीत के प्रति बिस्मिल्ला खाँ के गहरे लगाव के दो उदाहरण दीजिए ।

(ङ) मन्नू भंडारी शीला अग्रवाल से क्यों प्रभावित थी ?

11. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 + 2 + 1 = 5**

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,
देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं ।
दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर ?
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना ।

(क) भविष्य वरण करने से क्या आशय है ? ऐसा करने का परामर्श क्यों दिया गया है ?

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए-दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं ।

(ग) चाँद और शरद ऋतु किन्हें कहा गया है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : **2 × 5 = 10**

(क) आपके परिवार में आपके दादा-दादी या अन्य बड़े-बूढ़े जब बहकने लगें तो आप संगतकार की तरह कैसे मदद कर सकते हैं ?

(ख) 'छाया मत छूना' गीत में मृगतृष्णा किसे कहा है और क्यों ?

(ग) 'कन्यादान' कविता में स्त्री जीवन के प्रति संवेदना कैसे व्यक्त की गई है ?

(घ) पठित पाठ के आधार पर लक्ष्मण के चरित्र की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ङ) 'छाया मत छूना' में कवि 'छाया' किसे कहता है और उसे छूने से मना क्यों करता है ?

13. गंगतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा जाता है ? किसी मेहनतकश को बादशाह मानने में निहित मानवीय मूल्यों का उल्लेख कीजिए । **5**

www.careerindia.com

CAREERINDIA

खंड 'घ'

14. अपने स्कूल की विशेषता बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

दूरदर्शन के निदेशक को किसी कार्यक्रम के संबंध में शिकायती पत्र लिखिए।

15. निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए : **5**

संस्कृत की एक प्रसिद्ध उक्ति है – 'सत्येन धार्यते जगत्' अर्थात् सत्य ही जगत को धारण करता है। व्यवहार में हम देखते हैं कि यदि कोई व्यक्ति, समाज अथवा राष्ट्र बार-बार असत्य का सहारा लेता है तो वह अंततः अवनति को ही प्राप्त करता है; उसकी साख गिर जाती है और वह, सार्वजनिक अवमानना का पात्र बनता है। असत्यवादी व्यक्ति यदि कभी-कभार सत्य-वचन भी कहे तो लोग उस पर विश्वास नहीं कर पाते। संसार के सभी धर्मोपदेशक और महापुरुष सत्य का गुणगान करते आए हैं। हमारे पौराणिक साहित्य में राजा हरिश्चंद्र की कथा आई है जिन्होंने सत्य की रक्षा के लिए पत्नी, पुत्र और स्वयं को भी बेचने में संकोच नहीं किया था। महाभारत में सत्यवादी युधिष्ठिर के पुण्य प्रताप का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि उनका रथ पृथ्वी का स्पर्श नहीं करता था। महात्मा गाँधी ने सत्य पर जोर दिया। सत्य को एक महान तप माना गया है। जिस प्रकार तपस्वी को महान कष्ट झेलने पड़ते हैं, उसी प्रकार एक सत्यवादी भी विभिन्न शारीरिक-मानसिक कष्टों को झेलता है। झूठ एक बड़ा पाप है। संभव है कि इससे क्षणिक या तात्कालिक लाभ मिल जाएँ परंतु इसका परिणाम भयानक होता है। सत्यवादी व्यक्ति किसी अन्य प्रकार के साधन के बिना भी लोक में पूज्य और परलोक में मोक्ष का अधिकारी होता है।

16. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग **250** शब्दों में निबंध लिखिए। **10**

(क) आपके इलाके में आई भयानक बाढ़

- बाढ़ का कारण
- बाढ़ का दृश्य
- बाढ़ का परिणाम

(ख) अंधविश्वास

- अंधविश्वास क्या है ?
- प्रगति में बाधक
- जागरूक करने की जरूरत

(ग) स्वच्छता अभियान

- स्वच्छता का अर्थ
- क्यों जरूरी है स्वच्छता
- योगदान कैसे करें

www.careerindia.com